भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2650
दिनांक 05 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

दुग्ध की आपूर्ति हेतु गांवों में स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करना

2650. श्री अरुण गोविलः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विश्व की 65 प्रतिशत भैंसें देश में मौजूद होने के कारण देश विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राष्ट्र बन गया है और इस संबंध में सरकार के पास उपलब्ध नीतियां क्या हैं;

(ख) क्या सरकार की स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रोत्साहित करने की कोई योजना है ताकि दुग्ध की आपूर्ति निकटतम शहरों तक की जा सके और इस प्रकार ग्रामीणों/ग्वालों की आय में वृद्धि हो सके; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और डेयरी पशुओं के स्वास्थ्य देखभाल के लिए सरकार की नीति/प्रस्ताव क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) जी हां, भारतवर्ष 1998 से विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 104.39 मिलियन टन भैंस के दूध का उत्पादन किया, जो कुल उत्पादन का 69.43% है। दुधारू भैंसों की वैश्विक आबादी में भारत का योगदान लगातार बढ़ रहा है, जो वर्ष 2022 में 63.02% से बढ़कर वर्ष 2023 में 64.06% (स्रोत: FAO) हो गया है। भारत सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) दूध उत्पादन और दूध प्रसंस्करण अवसंरचना के लिए राज्य सरकारों द्वारा किए गए प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए देश भर में निम्नलिखित योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है:

1. **राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM):** आरजीएम का कार्यान्वयन देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन तथा बोवाइन पशुओं के दूध उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए किया जा रहा है।
2. **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD):** एनपीडीडी को निम्नलिखित 2 घटकों के साथ कार्यान्वित किया जाता है:
   (i) एनपीडीडी का **घटक 'क'** राज्य सहकारी डेयरी परिसंघों/जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघों/स्वयं सहायता समूहों (SHGs)/दुग्ध उत्पादक कंपनियों/किसान उत्पादक संगठनों के

लिए गुणवत्तापूर्ण दूध परीक्षण उपकरणों के साथ-साथ प्राथमिक शीतलन सुविधाओं हेतु अवसंरचना के सृजन/सुदृढ़ीकरण पर ध्यान केंद्रित करता है।

(ii) एनपीडीडी योजना के **घटक 'ख'** "सहकारिता के माध्यम से डेयरी" का उद्देश्य संगठित बाजार तक किसानों की पहुंच बढ़ाकर दूध और डेयरी उत्पादों की बिक्री में वृद्धि करना, डेयरी प्रसंस्करण सुविधाओं और विपणन अवसंरचना को उन्नत करना और उत्पादक स्वामित्व वाली संस्थाओं की क्षमता में वृद्धि करना है।

3. **डेयरी कार्यकलापों में लगी डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता (SDCFPO):** राज्य डेयरी सहकारी संघों को गंभीर रूप से प्रतिकूल बाजार स्थितियों या प्राकृतिक आपदाओं के कारण उत्पन्न संकट से निपटने के लिए कार्यशील पूंजीगत ऋण पर ब्याज सबवेंशन (नियमित 2% और शीघ्र भुगतान पर अतिरिक्त 2%) प्रदान करके सहायता करना।

4. **पशुपालन अवसंरचना विकास निधि (AHIDF)** : एएचआईडीएफ पशुधन उत्पाद प्रसंस्करण और विविधीकरण अवसंरचना के सृजन/सुदृढ़ीकरण के लिए 3% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सबवेंशन प्रदान करता है, जिससे असंगठित उत्पादक सदस्यों को संगठित बाजार तक अधिक पहुंच मिलती है।

5. **राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM):** उद्यमिता विकास के लिए व्यक्ति, एफपीओ (FPOs), एसएचजी (SHGs), धारा 8 कंपनियों को उद्यमिता विकास के लिए और नस्ल सुधार अवसंरचना के लिए राज्य सरकार को प्रोत्साहन प्रदान करके पोल्ट्री, भेड़, बकरी, सूअर पालन और चारा में उद्यमिता विकास और नस्ल सुधार पर सघन ध्यान केंद्रित करना।

6. **पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP):** इसका उद्देश्य पशु रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण, पशुचिकित्सा सेवाओं की क्षमता का निर्माण, रोग निगरानी और पशुचिकित्सा अवसंरचना को सुदृढ़ करना है। इसके अतिरिक्त, इस योजना के अंतर्गत पशु औषधि का एक नया घटक जोड़ा गया है ताकि प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (PM-KSK) और सहकारी समितियों के माध्यम से देश भर में सस्ती जेनेरिक पशु चिकित्सा औषधि उपलब्ध कराई जा सके। इससे सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक औषधियों के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा।

(ख) और (ग) जी हां, सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को डेयरी कार्यकलापों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है। एसएचजी, एनपीडीडी (NPDD), एएचआईडीएफ (AHIDF) और एनएलएम (NLM) योजनाओं के तहत सहायता के पात्र हैं, जो अवसंरचना, प्रसंस्करण, विपणन और क्षमता निर्माण के लिए सहायता प्रदान करती हैं। डेयरी पशुओं की स्वास्थ्य देखभाल के लिए पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) को देश भर में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें उत्पादकता और पशु कल्याण में सुधार के लिए रोग नियंत्रण, टीकाकरण और पशुचिकित्सा सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

****